Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 19 April 2024

Dainik Jagran Page - 02

शिक्षक व छात्रों को मिला आउट स्टैंडिंग रिसर्च अवार्ड

कुलपति ने रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल को प्रस्ताव तैयार करने को कहा, 50 पेटेंट पंजीकृत करने का लक्ष्य

एकेडमिक आडिट रिपोर्ट की विभागवार समीक्षा बैठक की संबोधित करतीं कुलपति प्रो. पूनम टंडन • सौजन्य:गोप

गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने गुरुवार को विज्ञान संकाय के विभागों की ओर से उपलब्ध कराई गई एकेडमिक आडिट रिपोर्ट की विभागवार समीक्षा की। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय जल्द ही एक आउट स्टैंडिंग रिसर्च अवार्ड शुरू करेगा। शोध के क्षेत्र में विशेष योगदान तथा गुणवत्ता पर शोध करने वाले शिक्षकों व शोध छात्रों को यह अवार्ड प्रदान किया जाएगा। कुलपति ने कहा कि विभाग के अंदर तथा विज्ञान संकाय के विभागों में श्रेष्ठतर समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता है, क्योंकि स्वस्थ प्रतिस्पर्धा हमारी ताकत है। बैठक में संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, कुलसचिव शिक्षक तथा आइक्यूएसी के प्रतिनिधि शामिल हुए।-विज्ञप्ति

गोविंद में शुरू होंगे स्किल डेवलपमेंट के 12 आनलाइन कोर्स

गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय और बीएसएन इंफोटेक, लखनऊ के बीच गुरुवार को एक एमओयू, मेमोरेंडम आफ अंडरस्टैंडिंग किया गया। इसका उद्देश्य विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को 'विद्या ब्रिज' पोर्टल के माध्यम से नवीन ट्रेंड्स के अनुसार आनलाइन व्यावसायिक प्रशिक्षण कोर्स उपलब्ध कराना है।

कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने एमओयू को लेकर बताया कि विद्या ब्रिज व्यक्तित्व विकास से जुड़े आठ व चार सप्ताह के कुल 12 प्रकार के आनलाइन कोर्स विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को आफर करेंगा। सभी कोर्स पूरी तरह निशुल्क होंगे। ये सभी आनलाइन प्रोफेशनल कोर्स दो-दो क्रेडिट के होंगे। विद्यार्थियों को आनलाइन कोर्स के माध्यम से इंडस्ट्री की कार्यप्रणाली, क्रियाकलाप, उनके लिए आवश्यक स्किल्स का ज्ञान तथा रोजगार के लिए आवश्यक विभिन्न क्षेत्रों का व्यावहारिक ज्ञान, इंटरव्यू कौशल, व्यक्तित्व विकास, कंप्यूटर तथा एंटरप्राइज स्तर पर ईआरपी साफ्टवेयर का कार्य अनुभव प्रदान किया जाएगा। एनईपी को ध्यान में रखते हुए इस तरह के आनलाइन कोर्सेज को आगे मेन कोर्स में क्रेडिट के साथ शामिल किया जाएगा। डीएसडब्ल्यू प्रो. अनुभूति दूबे व आपरेशन मैनेजर इति चौधरी ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। -विज्ञप्ति।

गोविंद का फिजिकल एजुकेशन विभाग क्रीड़ा परिषद में स्थानांतरित

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के एमए फिजिकल एजुकेशन की कक्षाएं अब मुख्य परिसर में स्थित क्रीड़ा परिषद भवन में चलेंगी। पहले यह महाराणा प्रताप परिसर स्थित भवन में संचालित हो रही थी, जिससे छात्रों को कक्षा लेने के बाद अभ्यास करने मुख्य परिसर जाना पड़ता था। अब छात्र पढ़ाई के साथ वहीं पर अभ्यास भी कर सकेंगे। गोवि प्रशासन ने इस सत्र से एमबीए और बीबीए में एक-एक सेक्शन बढ़ाने का निर्णय लिया है। एमबीए व बीबीए में पहले एक सेक्शन में 75 छात्रों का प्रवेश लिया जाता था। अब यह संख्या बढ़ाकर 150-150 हो जाएगी। एमबीए और बीबीए की कक्षाएं महाराणा प्रताप परिसर स्थित शिक्षा शास्त्र विभाग के पास के भवन में संचालित होती है। इसके चलते इन छात्रों को पढ़ाई वहां पर और अभ्यास के लिए विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में जाना पड़ता था।

Amar Ujala Page - 04, 06

गोरखपुर विश्वविद्यालय में शुरू होगा आउटस्टैंडिंग रिसर्च अवार्ड

नेचर इंडेक्स रैंकिंग में योगदान करने वालों को सम्मानित करेगा विश्वविद्यालय

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बृहस्पतिवार को विज्ञान संकाय के विभागों की ओर से उपलब्ध कराई गई एकेडमिक ऑडिट रिपोर्ट की विभागवार समीक्षा की।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय जल्द ही एक आउट स्टैंडिंग रिसर्च अवार्ड शुरू करेगा। शोध के क्षेत्र में विशेष योगदान देने वालों शिक्षकों और शोध छात्रों को यह अवार्ड प्रदान किया जाएगा। कुलपति ने विश्वविद्यालय के रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल को निर्देशित किया कि वे आउट स्टैंडिंग रिसर्च अवार्ड का प्रस्ताव शीघ्र तैयार करें।

कुलपति ने कहा कि विज्ञान संकाय के जो भी शिक्षक और शोध छात्र नेचर इंडेक्स रैंकिंग में योगदान करेंगे, विश्वविद्यालय प्रशासन उन्हें प्रशस्तिपत्र से सम्मानित करेगा।

विज्ञान संकाय के सभी विभागाध्यक्षों से एक-एक कर विभाग का शोध के क्षेत्र में योगदान पर चर्चा करते हुए कुलपति ने कहा कि सभी विभाग कोशिश करें कि स्कोपस में ज्यादा से ज्यादा शोध पत्र प्रकाशित हों। इसके साथ ही विभाग अधिक से अधिक पेटेंट करने में भी आगे आए। उन्होंने विभागों को अगले छह माह में 50 पेटेंट पंजीकृत करने का लक्ष्य भी दिया।

एकेडमिक ऑडिट रिपोर्ट की विभागवार समीक्षा करतीं कुलपति प्रो. पूनम टंडन। स्रोत - डीडीयू

डीडीयू में शुरू होंगे स्किल डेवलपमेंट के 12 ऑनलाइन कोर्स

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय और बीएसएन इन्फोटेक, लखनऊ के मध्य बृहस्पतिवार को एमओयू किया गया। इसका उद्देश्य विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को 'विद्या ब्रिज' पोर्टल के माध्यम से नवीन ट्रेंड्स के अनुसार ऑनलाइन व्यवसायिक प्रशिक्षण कोर्स उपलब्ध कराना है। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि विद्या ब्रिज व्यक्तित्व विकास से जुड़े आठ सप्ताह और चार सप्ताह के कुल 12 प्रकार के ऑनलाइन कोर्स विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को ऑफर करेगा। ये सभी ऑनलाइन प्रोफेशनल कोर्स दो-दो क्रेडिट के होंगे। विद्यार्थियों को ऑनलाइन कोर्स के माध्यम से इंडस्ट्री की कार्यप्रणाली, क्रियाकलाप, उनके लिए आवश्यक स्किल्स का ज्ञान और रोजगार के लिए आवश्यक विभिन्न क्षेत्रों का व्यावहारिक ज्ञान, इंटरव्यू कौशल, व्यक्तित्व विकास, कंप्यूटर और एंटरप्राइज स्तर पर ईआरपी सॉफ्टवेयर का कार्य अनुभव प्रदान किया जाएगा। एनईपी को ध्यान में रखते हुए इस तरह के ऑनलाइन कोर्सेज को आगे मेन कोर्स में क्रेडिट के साथ शामिल किया जाएगा। डीएसडब्ल्यू प्रो. अनुभूति दूबे एवं ऑपरेशन मैनेजर इति चौधरी ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। संवाद

क्रीड़ा परिषद में शिफ्ट हुआ फिजिकल एजुकेशन विभाग

संवाद न्यूज एजेंसी

अब तक एमपी परिसर के भवन में संचालित हो रहा था विभाग

फिजिकल एजुकेशन को क्रीड़ा परिषद भवन में शिफ्ट किया जा रहा है। छात्र पढ़ाई के साथ वहीं पर अभ्यास भी कर सकेंगे। महाराणा प्रताप परिसर के जिस भवन में फिजिकल एजुकेशन की कक्षाएं चल रही थीं उसमें एमबीए व बीबीए की कक्षाएं संचालित की जाएंगी।

- प्रो. पूनम टंडन, कुलपति

गोरखपुर। दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के एमए फिजिकल एजुकेशन की कक्षाएं अब विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में स्थित क्रीड़ा परिषद भवन में चलेंगी।

पहले ये कक्षाएं महाराणा प्रताप परिसर में स्थित भवन में संचालित हो रही थीं। जिसके चलते छात्रों को वहां कक्षा लेने के बाद अभ्यास करने के लिए विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर जाना पड़ता था। अब छात्र पढ़ाई के साथ वहीं पर अभ्यास भी कर सकेंगे। गोरखपुर विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस सत्र से एमबीए और बीबीए में एक-एक सेक्शन बढ़ाने का निर्णय लिया है।

पहले एक सेक्शन में 75 छात्रों का प्रवेश लिया जाता था। अब यह संख्या बढ़कर 150-150 हो जाएगी। एमबीए और बीबीए की कक्षाएं महाराणा प्रताप परिसर में स्थित शिक्षा शास्त्र विभाग के पास स्थित भवन में संचालित होती हैं।

ऐसे में इस सत्र से छात्रों की संख्या बढ़ने पर दिक्कत होती। इसे देखते हुए महाराणा प्रताप परिसर में गोरखनाथ शोधपीठ से आगे जाने पर दाहिने तरफ स्थित भवन को लेने का निर्णय लिया गया। इस भवन में फिजिकल एजुकेशन की पढ़ाई हो रही थी।

कुलपति के निर्देश पर अब फिजिकल एजुकेशन विभाग को क्रीड़ा परिषद भवन में शिफ्ट किया जा रहा है। क्रीड़ा परिषद भवन के कमरे में उनकी कक्षा का संचालन शुरू हो गया है। विभाग को शिफ्ट करने की प्रक्रिया चल रही है।

Rashtriva Sahara Page - 07

विवि व बीएसएन इंफोटेक में हुआ एमओयू

गोरखपुर (एसएनबी)। बृहस्पतिवार को दीदउ गोविंद और बीएसएन इंफोटेक प्रा. लिमिटेड लखनऊ के मध्य एक एमओयू किया गया। इस एमओयू का उद्देश्य विवि के विद्यार्थियों को आनलाइन विद्या ब्रिज पोर्टल के माध्यम से नवीन ट्रेंड्स के अनुसार व्यवहारिक ज्ञान से समृद्ध विभिन्न व्यवसायिक प्रशिक्षण कोर्स उपलब्ध कराना है।

विद्यार्थियों को आनलाइन कोर्स के माध्यम से इंडस्ट्री की कार्यप्रणाली, क्रियाकलाप, उनके लिये आवश्यक स्किल्स का ज्ञान तथा रोजगार हेतु आवश्यक विभिन्न क्षेत्रों का व्यवहारिक ज्ञान, इंटरव्यू कौशल, व्यक्तित्व विकास, कम्प्यूटर तथा एंटरप्राइज स्तर साफ्टवेयर का कार्य अनुभव प्रदान किया जायेगा। इसके तहत दो क्रेडिट का आनलाइन प्रोफेशनल कोर्स आफर किया गया है। कुलपति प्रो. पूनम टण्डन ने कहा कि इस एमओयू से विवि के विद्यार्थियों को रोजगार के अवसर के साथ-साथ स्व-रोजगार हेतु आवश्यक ज्ञान भी प्राप्त हो सकेगा। एनईपी 2020 में प्रोफेसनल एवं स्किल कोर्सेज का महत्व बढ़ा है और विवि ने ऐसे कोर्सेज को पाठ्यक्रम में शामिल भी किया है। एनईपी को ध्यान में रखते हुए इस तरह के आनलाइन कोर्सेज को आगे मेन कोर्स में क्रेडिट के साथ शामिल किया जाएगा। डीएसडब्ल्यू प्रो. अनुभूति दूबे एवं आपरेशन मैनेजर इति चौधरी के द्वारा हस्ताक्षरित किया गया है।

छात्रों के लिए निशुल्क होंगे दो क्रेडिट के ऑनलाइन कोर्सेज

कम्प्यूटर तथा एंटरप्राइज

एमओयू के दौरान उपस्थित कुलपति प्रो.पूनम टंडन व अन्य

आनलाइन कोर्सेज विवि के विद्यार्थियों को अफर करेगा। यह कोर्सेज पूरी तरह निःशुल्क होंगे। बीएसएन इन्फोटेक प्राइवेट लिमिटेड, लखनऊ के साथ आज हुए सहमति पत्र को दीदउ गोविंद की कुलपति प्रो. पूनम टंडन, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो.अनुभूति दूबे एवं आपरेशन मैनेजर इति चौधरी के द्वारा हस्ताक्षरित किया गया है।

शोध में विशेष योगदान वाले शिक्षकों व छात्रों को मिलेगा

आउटस्टैंडिंग रिसर्च अवार्ड

गोरखपुर (एसएनबी)। दीदउ गोविंदी की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बृहस्पतिवार को विज्ञान संकाय के विभागों द्वारा उपलब्ध कराई गई एकेडमिक आडिट रिपोर्ट की विभागवार समीक्षा की।

बैठक में कुलपति ने कहा कि विवि जल्दी ही एक आउटस्टैंडिंग रिसर्च अवार्ड की शुरुआत करेगा। शोध के क्षेत्र में विशेष योगदान तथा गुणवत्ता पर शोध करने वाले शिक्षकों तथा शोध छात्रों को इस अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। इसके लिए कुलपति ने रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल को निर्देशित किया कि वो आउटस्टैंडिंग रिसर्च अवार्ड का प्रस्ताव जल्द से जल्द तैयार करें। इसके साथ ही कुलपति ने कहा कि विज्ञान संकाय के जो भी शिक्षक तथा शोध छात्र नेचर इंडेक्स रैंकिंग में योगदान करेंगे, विश्वविद्यालय प्रशासन उन्हें प्रशस्तिपत्र से सम्मानित करेगा। विज्ञान संकाय के सभी विभागाध्यक्षों से एक-एक कर विभाग का शोध के क्षेत्र में योगदान पर चर्चा करते हुए कुलपति ने कहा कि सभी विभाग कोशिश करें कि स्कोपस में ज्यादा से ज्यादा शोध पत्र प्रकाशित हों। इसके साथ ही विभाग अधिक से अधिक पेटेंट करने में भी आगे आए। उन्होंने विभागों को अगले छह माह में 50 पेटेंट पंजीकृत करने का लक्ष्य भी दिया। कुलपति ने कहा कि विभाग के अंदर तथा विज्ञान संकाय के विभागों में श्रेष्ठतर समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ प्रतिस्पर्धा हमारी ताकत है। बैठक में संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, कुलसचिव शिक्षक तथा आईक्यूएसी के प्रतिनिधि शामिल हुए।

अगले 6 महीने में 50 पेटेंट का है लक्ष्य

बैठक में कुलपति ने विज्ञान संकाय के सभी विभागाध्यक्षों से एक-एक कर विभाग के शोध के क्षेत्र में योगदान पर चर्चा करते हुए कहा कि सभी विभाग कोशिश करें कि स्कोपस में ज्यादा से ज्यादा शोध पत्र प्रकाशित हों। इसके साथ ही विभाग अधिक से अधिक पेटेंट करने में भी आगे आए। कुलपति ने कहा कि स्वस्थ प्रतिस्पर्धा हमारी ताकत है। बैठक में संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, कुलसचिव शिक्षक तथा आईक्यूएसी के प्रतिनिधि शामिल हुए।

- नेचर इंडेक्स रैंकिंग में योगदान करने वालों को सम्मानित करेगा विवि

सम सेमेस्टर प्रणाली परीक्षाएं सकुशल संपन्न

■ गोरखपुर।

सहारा न्यूज ब्यूरो

दीदउ गोविंदी एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में सेमेस्टर प्रणाली सत्र 2023-24 के अन्तर्गत सत्रान्त: स्नातकोत्तर/द्वितीय सत्र सेमेस्टर की परीक्षाओं में 22,441 विद्यार्थी शामिल हुए। कुलसचिव की परीक्षा के लिए कुल 23,344 विद्यार्थी पंजीकृत थे जिसमें 703 अनुपस्थित पाए गए। इसके साथ ही दो विद्यार्थियों को अनुचित साधन के उपयोग में पकड़ा गया। विश्वविद्यालय केंद्र पर पहली पाली में कुल 3198 विद्यार्थी पंजीकृत थे जिसमें 224 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। वहीं दूसरी पाली में 2816 विद्यार्थी पंजीकृत थे जिसमें 148 अनुपस्थित रहे। सेमेस्टर प्रणाली परीक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन

■ विवि एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में 22,441 विद्यार्थियों ने दी परीक्षा

■ अनुचित साधन उपयोग करते दो विद्यार्थी पकड़े गये

द्वारा कुल 239 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इसमें कुल 2,70, 037 विद्यार्थी पंजीकृत हैं। विश्वविद्यालय केंद्र पर करीब 15706 विद्यार्थी सम सेमेस्टर की परीक्षा में शामिल होंगे।

दीनदयाल उपाध्याय विवि में वार्षिक परीक्षा देकर निकलते विद्यार्थी।

Hindustan Page - 05

गोविंद व बीएसएन इंफोटेक के बीच एमओयू के दौरान कुलपति प्रो पूनम टंडन व अन्य।

विवि स्किल डेवलपमेंट के 12 ऑनलाइन कोर्स

गोरखपुर, निज संवाददाता। डीडीयू और बीएसएन इन्फोटेक, लखनऊ के मध्य गुरुवार को एक एमओयू किया गया। इसका उद्देश्य विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को 'विद्या ब्रिज' पोर्टल के माध्यम से नवीन ट्रेंड्स के अनुसार ऑनलाइन व्यवसायिक प्रशिक्षण कोर्स उपलब्ध कराना है।

कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि विद्याब्रिज व्यक्तित्व विकास से जुड़े आठ सप्ताह और चार सप्ताह के कुल 12 प्रकार के ऑनलाइन कोर्स विवि के विद्यार्थियों को ऑफर करेगा। सभी कोर्स पूरी तरह निःशुल्क होंगे। ये सभी ऑनलाइन प्रोफेशनल कोर्स दो-दो क्रेडिट के होंगे। विद्यार्थियों को ऑनलाइन कोर्स के माध्यम से इंडस्ट्री की कार्यप्रणाली, क्रियाकलाप, उनके लिए आवश्यक स्किल्स का ज्ञान तथा रोजगार के लिए आवश्यक विभिन्न क्षेत्रों का व्यावहारिक ज्ञान, इंटरव्यू कौशल, व्यक्तित्व विकास, कम्प्यूटर तथा एंटरप्राइज स्तर पर ईआरपी सॉफ्टवेयर का कार्य अनुभव प्रदान किया जाएगा।

सीट वृद्धि के बाद भी नहीं होगा कक्ष संचालन का संकट

गोरखपुर, निज संवाददाता। डीडीयू में एमबीए और बीबीए में सीट वृद्धि के बाद नए सत्र से कक्षाओं के संचालन को लेकर चल रही उहापोह खत्म हो गई है। अब तक एमपी परिसर स्थित फिजीकल एजुकेशन विभाग पिछले दिनों क्रीड़ा परिषद भवन में शिफ्ट हुआ है। अब निर्णय लिया गया है कि पुराने शारीरिक शिक्षा विभाग में एमबीए और बीबीए की एक-एक सेक्शन की कक्षाएं संचालित होंगी।

डीडीयू के महाराणा प्रताप परिसर में अब तक शारीरिक शिक्षा विभाग स्थापित था। विभाग के विद्यार्थियों को खेल अभ्यास के लिए विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में आना पड़ता था। इसे लेकर लंबे समय से इस विभाग को मुख्य परिसर में शिफ्ट किए जाने की मांग चल रही थी। विभाग की मांग पर छात्र हित में कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने इसे क्रीड़ा परिषद में शिफ्ट करने की अनुमति दे दी थी। इसके बाद यह विभाग बीते दिनों शिफ्ट हो गया।

> फिजिकल एजुकेशन विभाग को क्रीड़ा परिषद भवन में शिफ्ट किया जा रहा है। इससे छात्र पढ़ाई के साथ वहीं पर अभ्यास भी कर सकेंगे। एमपी कैंपस स्थित पुराने फिजिकल एजुकेशन विभाग में एमबीए, बीबीए के नए सेक्शन की कक्षाएं संचालित होंगी।
> - प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, डीडीयू

इससे पहले विश्वविद्यालय के कार्य परिषद से एमबीए-बीबीए समेत कई पाठ्यक्रमों में एक-एक सेक्शन बढ़ाने का निर्णय लिया गया था। प्रबंधन की कक्षाएं एमपी परिसर में ही संचालित होती हैं। पहले इन दोनों पाठ्यक्रमों में 75-75 विद्यार्थियों का प्रवेश लिया जाता था। सत्र 2024 से कुल 150-150 विद्यार्थियों का प्रवेश लिया जाएगा। इसे देखते हुए इनकी कक्षाएं संचालित करने को लेकर उहापोह की स्थिति थी। अब निर्णय लिया गया है कि पुराने शारीरिक शिक्षा विभाग में ही इन विषयों की अतिरिक्त सेक्शन की पढ़ाई होगी।

Amar Ujala Select Page - 03, 04

डीडीयू में शुरू होगा आउट स्टैंडिंग रिसर्च अवार्ड

नेचर इंडेक्स रैंकिंग में योगदान करने वालों को सम्मानित करेगा विश्वविद्यालय

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बृहस्पतिवार को विज्ञान संकाय के विभागों की ओर से उपलब्ध कराई गई एकेडमिक ऑडिट रिपोर्ट की विभागवार समीक्षा की। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय जल्द ही एक आउट स्टैंडिंग रिसर्च अवार्ड शुरू करेगा।

शोध के क्षेत्र में विशेष योगदान देने वालों शिक्षकों और शोध छात्रों को यह अवार्ड प्रदान किया जाएगा। कुलपति ने विश्वविद्यालय के रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल को निर्देशित किया कि वे आउट स्टैंडिंग रिसर्च अवार्ड का प्रस्ताव शीघ्र तैयार करें। कुलपति ने कहा कि विज्ञान संकाय के जो भी शिक्षक और शोध छात्र नेचर इंडेक्स रैंकिंग में योगदान करेंगे, विश्वविद्यालय प्रशासन उन्हें प्रशस्तिपत्र से सम्मानित करेगा।

डीडीयू में शुरू होंगे स्किल डेवलपमेंट के 12 ऑनलाइन कोर्स

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय और बीएसएन इन्फोटेक, लखनऊ के मध्य बृहस्पतिवार को एमओयू किया गया। इसका उद्देश्य विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को 'विद्या ब्रिज' पोर्टल के माध्यम से नवीन ट्रेंड्स के अनुसार ऑनलाइन व्यवसायिक प्रशिक्षण कोर्स उपलब्ध कराना है। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि विद्या ब्रिज व्यक्तित्व विकास से जुड़े आठ सप्ताह और चार सप्ताह के कुल 12 प्रकार के ऑनलाइन कोर्स विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को ऑफर करेगा। सभी कोर्स पूरी तरह निशुल्क होंगे। ये सभी ऑनलाइन प्रोफेशनल कोर्स दो-दो क्रेडिट के होंगे।

Gorakhpur Super Fast Times

डीडीयू विश्वविद्यालय और बीएसएन इन्फोटेक में हुआ करार

छात्रों के लिए निःशुल्क होंगे दो क्रेडिट के ऑनलाइन कोर्सेज

मुख्य संवाददाता (शाश्वत राम तिवारी)

गोरखपुर। सुपर फास्ट टाइम्स

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय और बीएसएन इन्फोटेक लखनऊ के मध्य एक एमओयू किया गया। इसका उद्देश्य विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण कोर्स उपलब्ध कराना है। विद्यार्थियों को ऑनलाइन कोर्स के माध्यम से इंडस्ट्री की कार्यप्रणाली, क्रियाकलाप, उनके लिये आवश्यक स्किल्स का ज्ञान तथा रोजगार हेतु आवश्यक विभिन्न क्षेत्रों का व्यवहारिक ज्ञान, इंटरव्यू कौशल, व्यक्तित्व विकास, कम्प्यूटर तथा एंटरप्राइज स्तर साफ्टवेयर का कार्य अनुभव प्रदान किया जायेगा। इसके तहत दो क्रेडिट का आनलाइन प्रोफेशनल कोर्स आफर किया गया है। कुलपति प्रोफेसर पूनम टण्डन ने कहा कि इस एमओयू से विवि के विद्यार्थियों को रोजगार के अवसर के साथ-साथ स्व-रोजगार हेतु आवश्यक ज्ञान भी प्राप्त हो सकेगा। एनईपी 2020 में प्रोफेसनल एवं स्किल कोर्सेज का महत्व बढ़ा है और विश्वविद्यालय ने ऐसे कोर्सेज को पाठ्यक्रम में शामिल भी किया है। एनईपी को ध्यान में रखते हुए इस तरह के आनलाइन कोर्सेज को आगे मेन कोर्स में क्रेडिट के साथ शामिल किया जाएगा। डीएसडब्ल्यू प्रो. अनुभूति दूबे एवं आपरेशन मैनेजर इति चौधरी के द्वारा हस्ताक्षरित किया गया है।

विभागों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा हमारी ताकत- प्रो.पूनम टंडन

- नेचर इंडेक्स रैंकिंग में कंट्रीब्यूट करने वालों को सम्मानित करेगा विश्वविद्यालय
- शोध क्षेत्र में विशेष योगदान करने वाले शिक्षक और छात्रों को मिलेगा आउटस्टैंडिंग रिसर्च अवार्ड

गोरखपुर। सुपर फास्ट टाइम्स

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन ने आज विज्ञान संकाय के विभागों द्वारा उपलब्ध कराई गई एकेडमिक आडिट रिपोर्ट की विभागवार समीक्षा की। बैठक में कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय जल्दी ही एक आउटस्टैंडिंग रिसर्च अवार्ड की शुरूआत करेगा। शोध के क्षेत्र में विशेष योगदान तथा गुणवत्ता पर शोध करने वाले शिक्षकों तथा शोध छात्रों को इस अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। इसके लिए कुलपति ने रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल को निर्देशित किया कि वो आउटस्टैंडिंग रिसर्च अवार्ड का प्रस्ताव जल्द से जल्द तैयार करें। इसके साथ ही कुलपति ने कहा कि विज्ञान संकाय के जो भी शिक्षक तथा शोध छात्र नेचर इंडेक्स रैंकिंग में योगदान करेंगे विश्वविद्यालय प्रशासन उन्हें प्रशस्तिपत्र से सम्मानित करेगा।

अगले 6 महीने में 50 पेटेंट का है लक्ष्य

बैठक में कुलपति ने विज्ञान संकाय के सभी विभागाध्यक्षों से एक-एक कर विभाग के शोध के क्षेत्र में योगदान पर चर्चा करते हुए कहा कि सभी विभाग कोशिश करें कि स्कोपस में ज्यादा से ज्यादा शोध पत्र प्रकाशित हों। इसके साथ ही विभाग अधिक से अधिक पेटेंट करने में भी आगे आए। कुलपति ने कहा कि स्वस्थ प्रतिस्पर्धा हमारी ताकत है। बैठक में संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, कुलसचिव शिक्षक तथा आईक्यूएसी के प्रतिनिधि शामिल हुए।

गुरु गोरखनाथ शोधपीठ बनेगा नाथपंथ से जुड़े इतिहासों का ज्ञान संग्रह

मुख्य संवाददाता (शाश्वत राम तिवारी)

गोरखपुर। सुपर फास्ट टाइम्स

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर और उसकी शाखा गोरखनाथ शोध पीठ के जरिए एक विश्वकोश तैयार किया जा रहा है, जिसमें नाथ संप्रदाय की भाषाओं को और आसान तरीके से प्रस्तुत किया जाएगा। ताकि,उनके इतिहास के बारे में लोग बेहतर वह आसानी से जान सके। गोरखपुर विश्वविद्यालय की गोरखनाथ शोध पीठ के जरिए अब देश-दुनिया में लोग नाथ पंथ के इतिहास और भाषाओं के बारे में बेहतर तरीके से जान सकेंगे। साथ ही इस शोध पीठ के लाइब्रेरी में प्रथम चरण में लगभग 1500 पुस्तक मौजूद हैं। इसके जरिए यहां कभी भी कोई भी आकर नाथ पंथ से जुड़ी पुस्तक पढ़ सकता है। साथ ही उनके बारे में जानकारी ले सकता है।वहीं,श्री गोरखनाथ शोधपीठ के उपनिदेशक कुशल नाथ मिश्र बताते हैं कि लाइब्रेरी को और हाईटेक बनाया जाएगा। इसके लिए कई समितियां तैयार हो रही हैं,जो देश के कोने-कोने में मौजूद मठ मंदिरों तक जाकर नाथ पंथ के इतिहास को एकत्र करेंगे,और उसे विश्वकोश में समाहित किया जाएगा। वहीं,शोधपीठ में लाइब्रेरी भी मौजूद है जहां पुस्तकों के जरिए लोग इससे और जुड़ी जानकारी ले सकते हैं। वही 4000 पुस्तकें भी गुरु गोरखनाथ शोधपीठ में मौजूद लाइब्रेरी में शामिल होंगी।